10. राजस्थान में प्री-कैम्ब्रियन चट्टानों का आधारभूत वर्णन किसके द्वारा किया गया है?

(a) सी.ए. हैकेट (b) एम.एस. खुराना
(c) ला डोचे (d) ए.एम. हेरोन

Basic Computer Anudeshak-18.06.2022

Ans. (d) : भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निदेशक रहे, भूविज्ञानी ए.एम. हेरोन लगभग 23 वर्षों तक राजस्थान के प्री. कैम्ब्रियन चट्टानों का अध्ययन किया तथा 1953 ई. में एक पुस्तक 'द जियोलॉजी ऑफ सेन्ट्रल राजस्थान' में इन चट्टानों का आधारभूत वर्णन किया। वर्ष 1971 ई. में इनकी मृत्यु दक्षिण भारत के नीलगिरि पहाड़ियों में हुई थी।

11. सर्वप्रथम राजस्थान में कहाँ से पूर्वपाषाण कालीन कुठार (कुल्हाड़ी) खोज निकाली थी?

(a) अलवर और टोंक (b) चित्तौड़ और भीलवाड़ा
(c) जयपुर और इन्द्रगढ़ (d) जोधपुरा और सुनारी

वनपाल भर्ती परीक्षा-2020 date 06.11.2020 Shift-I

Ans. (c) : राजस्थान में पूर्वपाषाण कालीन हस्त कुठार (कुल्हाड़ी) की खोज सर्वप्रथम सी.ए. हैकर ने जयपुर और इन्द्रगढ़ से की थी। ये हस्तकुठार अश्म पत्थर से निर्मित थे जो भारतीय संग्रहालय कोलकाता में उपलब्ध है।

12. निम्नलिखित में से कौन सा (पुरातात्विक स्थल - उत्खननकर्ता) सुमेलित नहीं है?

(a) आहड़ - एच. डी. सांकलिया
(b) ओझियाना - के. एन. पुरी
(c) बैराठ - डी. आर. साहनी
(d) बागौर - वी. एन. मिश्र

House Keeper 2022_09.07.2022

Ans. (b) :
पुरातात्विक स्थल – उत्खननकर्ता

आहड़	– एच.डी. साकलियाँ
ओझियाना	– बी. आर. मीणा तथा आलोक त्रिपाठी
बैराठ	– दयाराम साहनी
बागोर	– वी. एन. मिश्र

13. राजस्थान में आलनिया के प्रागैतिहासिक चित्रों की खोज किसने की-

(a) डॉ. जगतनारायण (b) डी.एच.गार्डन
(c) डॉ. एस.कुमार (d) वी.एस.वाकणकर

Patwar-Exam-2016 (Main) -24.12.2016

Ans. (a) – राजस्थान में आलनियाँ के प्रागैतिहासिक चित्रों की खोज डॉ. जगतनारायण ने की। इन चित्रों में हाड़ौती स्कूल के कोटा उपशैली की छाप देखने को मिलती है। इसमें शिकार दृश्यों का अंकन एवं नारी सौन्दर्य का सजीव चित्रण विशेष है।

14. राजस्थान में पुरातात्विक सर्वेक्षण कार्य सर्वप्रथम (1871 ई.) प्रारम्भ करने का श्रेय किसे जाता है-

(a) ए.सी.एल. कार्लाइल (b) एच.डी. सांकलिया
(c) बी.बी.लाल (d) ए.कनिंघम

Live Stock Assistant (Non TSP Area)- 21.08.2016

Ans. (a) – राजस्थान में पुरातात्विक सर्वेक्षण कार्य की शुरुआत का श्रेय ए.सी.एल. कार्लाइल को जाता है।

• राजस्थान पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग की स्थापना वर्ष 1950 में हुई थी तथा इसका मुख्यालय जयपुर में स्थित है। यह विभाग राजस्थान के सांस्कृतिक धरोहरों की खोज, सर्वेक्षण तथा प्रचार-प्रसार का कार्य करती है।

15. बड़ली का शिलालेख, जो कि अशोक काल से पूर्व का माना जाता है, कहाँ स्थित है?

(a) टोंक (b) सीकर
(c) भीलवाड़ा (d) अजमेर

Kanisht Abhiyanta (Civil)-18.05.2022
कनिष्ठ अभियन्ता (डिप्लोमाधारक)-10-05-2022

Ans. (d) : बड़ली या बरली का शिलालेख दूसरी शताब्दी ई.पू. का शिलालेख है। यह ब्राह्मी लिपि में उत्कीर्ण है। यह अजमेर जिले में स्थित है। बड़ली राजस्थान के अजमेर जिले के बरली के पास मिलोत माता के मन्दिर से प्राप्त किया गया है।

16. बरली-स्टोन- एपिग्राफ (शिलालेख) चिह्नित किया गया है-

(a) संस्कृत पांडुलिपि में (b) ब्राह्मी पांडुलिपि में
(c) प्राकृति पांडुलिपि में (d) खरोष्ठी पांडुलिपि में

कनिष्ठ अभियंता (कृषि) सीधी भर्ती परीक्षा-10.09.2022

Ans. (b) – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

17. राजस्थान में पाषाणयुगीन संस्कृति कहाँ प्राप्त हुई-

(a) रेगिस्तानी क्षेत्र में
(b) नदियों और सहायक नदियों के किनारे
(c) अरावली पर्वत श्रृंखलाओं में
(d) जंगलों में

Investigator Exam Date- 21.08.2016

Ans. (b) – राजस्थान में पाषाणयुगीन संस्कृति अधिकांशतः मध्य राजस्थान, पश्चिमी और उत्तरी एवं दक्षिणी पूर्वी भागों में नदियों और सहायक नदियों के किनारे से प्राप्त हुआ है।

18. बूढ़ा पुष्कर, होकरा, जायल पुरास्थल किस काल से संबंधित हैं?

(a) नवपाषाण काल से (b) पुरापाषाण काल से
(c) कांस्य काल से (d) ताम्रपाषाण काल से

Varisht Computer Anudeshak -19.06.2022

Ans. (d) : बूढ़ा पुष्कर (अजमेर) होकरा, जायल (नागौर) ताम्रपाषाण कालीन स्थल हैं। इसके अतिरिक्त आहड़, गिलूंड, तिलवाड़ा, बालाथल ताम्रपाषाण कालीन स्थल हैं।

19. सुनारी सभ्यता के अवशेष राजस्थान के किस जिले से प्राप्त हुए हैं?

(a) चुरू (b) झुंझनू
(c) सीकर (d) भीलवाड़ा

कनिष्ठ अनुदेशक कार्यशाला गणना एवं विज्ञान -2018

Ans. (b) : सुनारी सभ्यता के अवशेष राजस्थान के झुंझनूं जिले की खेतड़ी तहसील में कांतली नदी के किनारे मिले है। यहाँ लोहा बनाने की भट्ठियों (देश के प्राचीनतम लौह भट्ठियों) के अवशेष मिले हैं।

20. राजस्थान इतिहास का जनक किसे कहा जाता है?

(a) जी.एन. शर्मा (b) श्यामलदास
(c) जी.एच.ओझा (d) कर्नल टोंड

RPSC Computer Exam-2018 Date 07-10-2022

Ans. (d) : राजस्थान इतिहास का जनक कर्नल टॉड को कहा जाता है। कर्नल टाड 1818 से 1821 के मध्य मेवाड़ (उदयपुर) के पोलिटिंकल एजेंट थे।